Lam

Chapter 3

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

אֲנִ֤י	הַגֶּ֙בֶר֙	רָאָ֣ה	עֳנִ֔י	בְּשֵׁ֖בֶט	עֶבְרָתֽוֹ׃
मैं	वह-पुरुष	जिसने-देखा-है	दुख	लाठी-से	उसके-क्रोध-की
H0589	H1397	H7200	H6040	H7626	H5678

> मैं एक ऐसा व्यक्ति हूँ जिसने बहुतेरी यातनाएँ भोगी है; यहोवा के क्रोध के तले मैंने बहुतेरी दण्ड यातनाएँ भोगी है!

2

אוֹתִ֥י	נָהַ֛ג	וַיֹּלַ֖ךְ	חֹ֥שֶׁךְ	וְלֹא־	אֽוֹר׃
मुझे	चलाया	और-ले-गया	अंधकार-में	और-नहीं-	उजाला
H0853		H3212	H2822	H3808	H0216

> यहोवा मुझको लेकर के चला और वह मुझे अन्धेरे के भीतर लाया न कि प्रकाश में।

3

אַ֣ךְ	בִּ֥י	יָשֻׁ֛ב	יַהֲפֹ֥ךְ	יָד֖וֹ	כָּל־	הַיּֽוֹם׃	ס
निश्चय	मुझ-पर	वह-बार-बार-लौटाता-है	वह-पलटता-है	अपना-हाथ	सारे-	दिन	—
H0389		H7725	H2015	H3027	H3605	H3117	

> यहोवा ने अपना हाथ मेरे विरोध में कर दिया। ऐसा उसने बारम्बार सारे दिन किया।

4

בִּלָּ֤ה	בְשָׂרִי֙	וְעוֹרִ֔י	שִׁבַּ֖ר	עַצְמוֹתָֽי׃
सुखा-दिया	मेरा-मांस	और-मेरी-खाल	तोड़-दीं	मेरी-हड्डियां
H1086	H1320	H5785	H7665	H6106

> उसने मेरा मांस, मेरा चर्म नष्ट कर दिया। उसने मेरी हड्डियों को तोड़ दिया।

5

בָּנָ֥ה	עָלַ֛י	וַיַּקַּ֖ף	רֹ֥אשׁ	וּתְלָאָֽה׃
बनाया	मेरे-विरुद्ध	और-घेर-लिया	शीर्ष-पर	और-कष्ट
H1129			H7219	H8513

> यहोवा ने मेरे विरोध में, कड़वाहट और आपदा फैलायी है। उसने मेरी चारों तरफ कड़वाहट और विपत्ति फैला दी।

6

בְּמַחֲשַׁכִּ֣ים	הוֹשִׁיבַ֔נִי	כְּמֵתֵ֖י	עוֹלָֽם׃	ס
अंधियारे-में	मुझे-बिठाया	मृतकों-की-तरह	पुराने-समयों-के	—
H4285	H3427	H4191	H5769	

> उसने मुझे अन्धेरे में बिठा दिया था। उसने मुझको उस व्यक्ति सा बना दिया था जो कोई बहुत दिनों पहले मर चुका हो।

7

גָּדַ֥ר	בַּעֲדִ֛י	וְלֹ֥א	אֵצֵ֖א	הִכְבִּ֥יד	נְחָשְׁתִּֽי׃
घेरा	मेरे-चारों-ओर	और-नहीं	मैं-निकल-सकता	भारी-की	मेरी-जंजीरों-को
H1443	H1157	H3808	H3318	H3513	

> यहोवा ने मुझको भीतर बंद किया, इससे मैं बाहर आ न सका। उसने मुझ पर भारी जंजीरें घेरी थीं।

8

גַּ֚ם	כִּ֣י	אֶזְעַק֙	וַאֲשַׁוֵּ֔עַ	שָׂתַ֖ם	תְּפִלָּתִֽי׃
भी	जब	मैं-चिल्लाता-हूं	और-दोहाई-देता-हूं	रोक-रखा-है	मेरी-प्रार्थना-को
H1571		H2199	H7768		H8605

> यहाँ तक कि जब मैं चिल्लाकर दुहाई देता हूँ, यहोवा मेरी विनती को नहीं सुनता है।

9

גָּדַ֤ר	דְּרָכַי֙	בְּגָזִ֔ית	נְתִיבֹתַ֖י	עִוָּֽה׃	ס
बन्द-कर-दिया	मेरे-मार्गों-को	गढ़े-हुए-पत्थरों-से	मेरी-पगडंडियों-को	टेढ़ा-कर-दिया	—
H1443	H1870	H1496			

> उसने पत्थर से मेरी राह को मूंद दिया है। उसने मेरी राह को विषम कर दिया है।

10

דֹּב	אֹרֵב	הוּא	לִי	]אריה[	)אֲרִי(	בְּמִסְתָּרִים׃
रीछ	घात-में-बैठा-हुआ	वह-है	मेरे-लिए	—	सिंह	छिपे-हुए-स्थानों-में
H1677	H0693	H1931				H4565

यहोवा उस भालू सा हुआ जो मुझ पर आक्रमण करने को तत्पर है। वह उस सिंह सा हुआ हैं जो किसी ओट में छुपा हुआ हैं।

11

דְּרָכַי	סוֹרֵר	וַיְפַשְּׁחֵנִי	שָׂמַנִי	שֹׁמֵם׃
मेरे-मार्गों-को	भटका-दिया	और-मुझे-फाड़-डाला	बना-दिया-मुझे	वीरान
H1870	H5493	H6582		H8076

यहोवा ने मुझे मेरी राह से हटा दिया। उसने मेरी धज्जियाँ उड़ा दीं। उसने मुझे बर्बाद कर दिया है।

12

דָּרַךְ	קַשְׁתּוֹ	וַיַּצִּיבֵנִי	כַּמַּטָּרָא	לַחֵץ׃	ס
तानी	अपनी-धनुष	और-मुझे-खड़ा-कर-दिया	निशाने-की-तरह	तीर-के-लिए	—
H1869	H7198	H5324	H4307	H2671	

उसने अपना धनुष तैयार किया। उसने मुझको अपने बाणों का निशाना बना दिया था।

13

הֵבִיא	בְּכִלְיוֹתָי	בְּנֵי	אַשְׁפָּתוֹ׃
उसने-भेजा	मेरी-गुर्दों-में	बेटों-को	अपने-तरकश-के
H0935	H3629		H0827

मेरे पेट में बाण मार दिया। मुझ पर अपने बाणों से प्रहार किया था।

14

הָיִיתִי	שְּׂחֹק	לְכָל־	עַמִּי	נְגִינָתָם	כָּל־	הַיּוֹם׃
मैं-हो-गया	ठठ्ठा	सारी-	मेरी-प्रजा-का	उनका-गीत	सारा-	दिन
H1961	H7814	H3605		H5058	H3605	H3117

मैं अपने लोगों के बीच हंसी का पात्र बन गया। वे दिन भर मेरे गीत गा—गा कर मेरा मजाक बनाते है।

15

הִשְׂבִּיעַנִי	בַמְּרוֹרִים	הִרְוַנִי	לַעֲנָה׃	ס
मुझे-थका-दिया	कड़वे-चीजों-से	मुझे-पिलाया	नागदौना-से	—
H7646	H4844	H7301	H3939	

यहोवा ने मुझे कड़वी बातों से भर दिया कि मैं उनको पी जाऊँ। उसने मुझको कड़वे पेयों से भरा था।

16

וַיַּגְרֵס	בֶּחָצָץ	שִׁנָּי	הִכְפִּישַׁנִי	בָּאֵפֶר׃
और-उसने-कुचला	कंकड़ों-से	मेरे-दांतों-को	मुझे-धूल-से-ढक-दिया	राख-में
H1638	H2687	H8127	H3728	H0665

उसने मेरे दांत पथरीली धरती पर गडा दिये। उसने मुझको मिट्टी में मिला दिया।

17

וַתִּזְנַח	מִשָּׁלוֹם	נַפְשִׁי	נָשִׁיתִי	טוֹבָה׃
और-तूने-अलग-कर-दिया	शांति-से	मेरी-जान-को	मैं-भूल-गया	भलाई
	H7965	H5315	H5382	

मेरा विचार था कि मुझको शांति कभी भी नहीं मिलेगा। अच्छी भली बातों को मैं तो भूल गया था।

18

וָאֹמַר	אָבַד	נִצְחִי	וְתוֹחַלְתִּי	מֵיְהוָה׃	ס
और-मैंने-कहा	नष्ट-हो-गई	मेरी-आशा	और-मेरी-प्रत्याशा	यहोवा-से	—
H0559	H0006	H5331	H8431	H3068	

स्वयं अपने आप से मैं कहने लगा था, “मुझे तो बस अब और आस नहीं है कि यहोवा कभी मुझे सहारा देगा।”

19

זְכָר־	עָנְיִי	וּמְרוּדִי	לַעֲנָה	וָרֹאשׁ׃
स्मरण-कर-	मेरे-दुख-को	और-मेरी-भटकन-को	नागदौना	और-विष
H2142	H6040	H4788	H3939	H7219

हे यहोवा, तू मेरे दुखिया पन याद कर, और यह कि कैसा मेरा घर नहीं रहा। याद कर उस कड़वे पेय को और उस जहर को जो तूने मुझे पीने को दिया था।

נַפְשִׁי׃	עָלַי	(וְתָשׁוֹחַ)	[ותשיח]	תִּזְכּוֹר	זָכוֹר	20
मेरी–जान	मेरे–उपर	और–झुक–जाएगी	—	तू–स्मरण–करेगा	स्मरण–करना	
H5315		H7743	H7743	H2142	H2142	

> मुझको तो मेरी सारी यातनाएँ याद हैं और मैं बहुत ही दु:खी हूँ।

ס	אוֹחִיל׃	כֵּן	עַל־	לִבִּי	אֶל־	אָשִׁיב	זֹאת	21
—	आशा–रखता–हूं	मैं	इसलिए–	मन–में	अपने–	मैं–फेर–ले–आऊंगा	यह	
	H3176				H0413	H7725	H2063	

> किन्तु उसी समय जब मैं सोचता हूँ, तो मुझको आशा होने लगती हैं। मैं ऐसा सोचा करता हूँ:

רַחֲמָיו׃	כָלוּ	לֹא־	כִּי	תָמְנוּ	לֹא־	כִּי	יְהוָה	חַסְדֵי	22
उसकी–दया	चुकीं	नहीं–	कि	समाप्त–हुईं	नहीं–	कि	यहोवा–की	कृपाएं	
	H3615	H3808		H8552	H3808		H3068		

> यहोवा के प्रेम और करुणा का तो अत कभी नहीं होता। यहोवा की कृपाएं कभी समाप्त नहीं होती।

אֱמוּנָתֶךָ׃	רַבָּה	לַבְּקָרִים	חֲדָשִׁים	23
तेरी–विश्वासयोग्यता	बड़ी–है	प्रातःकालों–में	नयी	
H0530		H1242	H2319	

> हर सुबह वे नये हो जाते हैं! हे यहोवा, तेरी सच्चाई महान है!

ס	לוֹ׃	אוֹחִיל	כֵּן	עַל־	נַפְשִׁי	אָמְרָה	יְהוָה	חֶלְקִי	24
—	उस–पर	आशा–रखता–हूं	मैं	इसलिए–	मेरी–जान	कहती–है	यहोवा–है	मेरा–भाग	
		H3176			H5315	H0559	H3068		

> मैं अपने से कहा करता हूँ, “यहोवा मेरे हिस्से में है। इसी कारण से मैं आशा रखूँगा।”

תִּדְרְשֶׁנּוּ׃	לְנֶפֶשׁ	לְקֹוָו	יְהוָה	טוֹב	25
जो–उसे–ढूंढती–है	जान–के–लिए	उसकी–बाट–जोहनेवाले–के–लिए	यहोवा	भला–है	
H1875	H5315		H3068		

> यहोवा उनके लिये उत्तम है जो उसकी बाट जोहते हैं। यहोवा उनके लिये उत्तम है जो उसकी खोज में रहा करते हैं।

יְהוָה׃	לִתְשׁוּעַת	וְדוּמָם	וְיָחִיל	טוֹב	26
यहोवा–के	उद्धार–के–लिए	और–चुपचाप–से	और–प्रतीक्षा–करना	भला–है	
H3068	H8668	H1748	H3175		

> यह उत्तम है कि कोई व्यक्ति चुपचाप यहोवा की प्रतिक्षा करे कि वह उसकी रक्षा करेगा।

ס	בִּנְעוּרָיו׃	עֹל	יִשָּׂא	כִּי־	לַגֶּבֶר	טוֹב	27
—	अपनी–जवानी–में	जूआ	उठाए	कि–	पुरुष–के–लिए	भला–है	
		H5923	H5375		H1397		

> यह उत्तम है कि कोई व्यक्ति यहोवा के जुए को धारण करे, उस समय से ही जब वह युवक हो।

עָלָיו׃	נָטַל	כִּי	וְיִדֹּם	בָדָד	יֵשֵׁב	28
उस–पर	उसने–रखा–है	क्योंकि	और–चुप–रहे	अकेला	वह–बैठे	
	H5190			H0910	H3427	

> व्यक्ति को चाहिये कि वह अकेला चुप बैठे ही रहे जब यहोवा अपने जुए को उस पर धरता है।

תִקְוָה׃	יֵשׁ	אוּלַי	פִּיהוּ	בֶּעָפָר	יִתֵּן	29
आशा	हो	शायद	अपना–मुंह	धूल–में	वह–रखे	
	H3426	H0194	H6310	H6083	H5414	

> उस व्यक्ति को चाहिये कि यहोवा के सामने वह दण्डवत प्रणाण करे। सम्भव है कि कोई आस बची हो।

ס	בְּחֶרְפָּה׃	יִשְׂבַּע	לֶחִי	לְמַכֵּהוּ	יִתֵּן	30
—	अपमान-से	वह-तृप्त-हो	गाल	मारनेवाले-को	वह-दे	
	H2781	H7646	H3895	H5221	H5414	

उस व्यक्ति को चाहिये कि वह आपना गाल कर दे, उस व्यक्ति के सामने जो उस पर प्रहार करता हो। उस व्यक्ति को चाहिये कि वह अपमान झेलने को तत्पर रहे।

אֲדֹנָי׃	לְעוֹלָם	יִזְנַח	לֹא	כִּי	31
प्रभु	सदा-के-लिए	त्यागेगा	नहीं	क्योंकि	
H0136	H5769		H3808		

उस व्यक्ति को चाहिये वह याद रखे कि यहोवा किसी को भी सदा—सदा के लिये नहीं बिसराता।

)חֲסָדָיו׃(	]חסדו[	כְּרֹב	וְרִחַם	הוֹגָה	אִם־	כִּי	32
अपनी-कृपाओं-की	—	बहुतायत-के-अनुसार	तो-वह-दया-करेगा	उसने-दुख-दिया	यद्यपि-	क्योंकि	
		H7230	H7355	H3013			

यहोवा दण्ड देते हुए भी अपनी कृपा बनाये रखता है। वह अपने प्रेम और दया के कारण अपनी कृपा रखता है।

ס	אִישׁ׃	בְנֵי־	וַיַּגֶּה	מִלִּבּוֹ	עִנָּה	לֹא	כִּי	33
—	मनुष्य-के	बेटों-को-	और-शोकित-करता-है	अपने-मन-से	वह-दुख-देता-है	नहीं	क्योंकि	
	H0376		H3013			H3808		

यहोवा कभी भी नहीं चाहता कि लोगों को दण्ड दे। उसे नहीं भाता कि लोगों को दु:खी करे।

אָרֶץ׃	אֲסִירֵי	כֹּל	רַגְלָיו	תַּחַת	לְדַכֵּא	34
पृथ्वी-के	बंदियों-को	सब-	उसके-पैरों-के	अपने-पैरों-के-नीचे	कुचलने-के-लिए	
H0776	H0615	H3605	H7272	H8478	H1792	

यहोवा को यह बातें नहीं भाती है: उसको नहीं भाता कि कोई व्यक्ति अपने पैरों के तले धरती के सभी बंदियों को कुचल डाले।

עֶלְיוֹן׃	פְּנֵי	נֶגֶד	גָּבֶר	מִשְׁפַּט־	לְהַטּוֹת	35
परम-प्रधान-के	मुख-के	सामने	पुरुष-का	न्याय-	मोड़ने-के-लिए	
	H6440	H5048	H1397	H4941	H5186	

उसको नहीं भाता है कि कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति को छले। कुछ लोग उसके मुकदमें में परम प्रधान परमेश्वर के सामने ही ऐसा किया करते है।

ס	רָאָה׃	לֹא	אֲדֹנָי	בְּרִיבוֹ	אָדָם	לְעַוֵּת	36
—	देखता	नहीं	प्रभु	उसके-मुकदमे-में	आदमी-को	टेढ़ा-करने-के-लिए	
	H7200	H3808	H0136	H7379	H0120	H5791	

उसको नहीं भाता कि कोई व्यक्ति अदालत में किसी से छल करे। यहोवा को इन में से कोई भी बात नहीं भाती है।

צִוָּה׃	לֹא	אֲדֹנָי	וַתֶּהִי	אָמַר	זֶה	מִי	37
आज्ञा-दी	नहीं	प्रभु-ने	और-हो-गया	बोला	यह	कौन	
H6680	H3808	H0136	H1961	H0559	H2088	H4310	

जब तक स्वयं यहोवा ही किसी बात के होने की आज्ञा नहीं देता, तब तक ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है कि कोई बात कहे और उसे पूरा करवा ले।

וְהַטּוֹב׃	הָרָעוֹת	תֵצֵא	לֹא	עֶלְיוֹן	מִפִּי	38
और-भलाई	बुराई	निकलती	नहीं	परम-प्रधान-के	मुख-से	
		H3318	H3808		H6310	

बुरी—भली बातें सभी परम प्रधान परमेश्वर के मुख से ही आती हैं।

ס	)חֲטָאָיו׃(	]חטאו[	עַל־	גָּבֶר	חָי	אָדָם	יִתְאוֹנֵן	מַה־	39
—	अपने-पापों	—	पर-	पुरुष	जीवित	मनुष्य	शिकायत-करे	क्यों-	
	H2399	H2399		H1397		H0120	H0596	H4100	

कोई जीवित व्यक्ति शिकायत कर नहीं सकता जब यहोवा उस ही के पापों का दण्ड उसे देता है।

40	נַחְפְּשָׂה	דְרָכֵינוּ	וְנַחְקֹרָה	וְנָשׁוּבָה	עַד־	יְהוָה׃
	हम-जांचें	अपने-मार्गों-को	और-खोजें	और-लौटें	तक-	यहोवा
	H2664	H1870	H2713	H7725	H5704	H3068

आओ, हम अपने कर्मों को परखें और देखें, फिर यहोवा के शरण में लौट आयें।

41	נִשָּׂא	לְבָבֵנוּ	אֶל־	כַּפָּיִם	אֶל־	אֵל	בַּשָּׁמָיִם׃
	हम-उठाएं	अपने-हृदयों-को	और-	हाथों-की-ओर	पर-	एल	आकाशों-में
	H5375	H3824	H0413	H3709	H0413	H0410	H8064

आओ, स्वर्ग के परमेश्वर के लिये हम हाथ उठायें और अपना मन ऊँचा करें।

42	נַחְנוּ	פָשַׁעְנוּ	וּמָרִינוּ	אַתָּה	לֹא	סָלָחְתָּ׃	ס
	हम	अपराध-किया	और-विद्रोह-किया	तूने	नहीं	क्षमा-किया	—
	H5168	H6586	H4784		H3808	H5545	

आओ, हम उससे कहें, “हमने पाप किये हैं और हम जिद्दी बने रहे, और इसलिये तूने हमको क्षमा नहीं किया।

43	סַכֹּתָה	בָאַף	וַתִּרְדְּפֵנוּ	הָרַגְתָּ	לֹא	חָמָלְתָּ׃
	तूने-ढक-लिया	कोप-से	और-पीछा-किया-हमें	तूने-मारा	नहीं	तरस-खाया
		H0639	H7291	H2026	H3808	H2550

तूने क्रोध से अपने को ढांप लिया, हमारा पीछा तू करता रहा है, तूने हमें निर्दयतापूर्वक मार दिया!

44	סַכּוֹתָה	בֶעָנָן	לָךְ	מֵעֲבוֹר	תְּפִלָּה׃
	तूने-ढक-लिया	बादल-से	अपने-आप-को	पार-जाने-से	प्रार्थना
		H6051			H8605

तूने अपने को बादल से ढांप लिया। तूने ऐसा इसलिये किया था कि कोई भी विनती तुझ तक पहुँचे ही नहीं।

45	סְחִי	וּמָאוֹס	תְּשִׂימֵנוּ	בְּקֶרֶב	הָעַמִּים׃	ס
	कूड़ा	और-तिरस्कार	तूने-बना-दिया-हमें	बीच-में	लोगों-के	—
	H5501	H3973		H7130		

तूने हमको दूसरे देशों के लिये ऐसा बनाया जैसा कूड़ा कर्कट हुआ करता हैं।

46	פָּצוּ	עָלֵינוּ	פִּיהֶם	כָּל־	אֹיְבֵינוּ׃
	खोले-हैं	हमारे-विरुद्ध	अपने-मुंह	सब-	हमारे-शत्रु
	H6475		H6310	H3605	H0341

हमारे सभी शत्रु हमसे क्रोध भरे बोलते हैं।

47	פַּחַד	וָפַחַת	הָיָה	לָנוּ	הַשֵּׁאת	וְהַשָּׁבֶר׃
	भय	और-गड्ढा	हुआ-है	हमारे-लिए	विनाश	और-टूट
	H6343	H6354	H1961		H7612	H7667

हम भयभीत हुए हैं हम गर्त में गिर गये हैं। हम बुरी तरह क्षतिग्रस्त है! हम टूट चुके हैं!”

48	פַּלְגֵי־	מַיִם	תֵּרַד	עֵינִי	עַל־	שֶׁבֶר	בַּת־	עַמִּי׃	ס
	नालियां-	पानी-की	बहती-है	मेरी-आंख	पर-	टूटने	बेटी-	मेरी-प्रजा-की	—
	H6388	H4325	H3381			H7667	H1323		

मेरी आँखों से आँसुओं की नदियाँ बही! मैं विलाप करता हूँ क्योंकि मेरे लोगों का विनाश हुआ है!

49	עֵינִי	נִגְּרָה	וְלֹא	תִדְמֶה	מֵאֵין	הֲפֻגוֹת׃
	मेरी-आंख	बहती-है	और-नहीं	रुकती	बिना	राहत-के
		H5064	H3808	H1820	H0369	H2014

मेरे नयन बिना रूके बहते रहेंगे! मैं सदा विलाप करता रहूँगा!

50

עַד־	יַשְׁקִיף	וְיֵרֶא	יְהוָה	מִשָּׁמָיִם׃
जब-तक-	वह-देखे	और-देखे	यहोवा	आकाश-से
H5704	H8259	H7200	H3068	H8064

> हे यहोवा, मैं तब तक विलाप करता रहूँगा जब तक तू दृष्टि न करे और हम को देखे! मैं तब तक विलाप ही करता रहूँगा जब तक तू स्वर्ग से हम पर दृष्टि न करे!

51

עֵינִי	עוֹלְלָה	לְנַפְשִׁי	מִכֹּל	בְּנוֹת	עִירִי׃	ס
मेरी-आंख	दुखी-करती-है	मेरी-जान-को	से-	सब-बेटियों	मेरे-नगर-की	—
		H5315	H3605	H1323		

> जब मैं देखा करता हूँ जो कुछ मेरी नगरी की युवतियों के साथ घटा तब मेरे नयन मुझको दु:खी करते हैं।

52

צוֹד	צָדוּנִי	כַּצִּפּוֹר	אֹיְבַי	חִנָּם׃
शिकार-करना	मुझे-शिकार-किया	चिड़िया-की-तरह	मेरे-शत्रुओं-ने	बिना-कारण
		H6833	H0341	H2600

> जो लोग व्यर्थ में ही मेरे शत्रु बने है, वे घूमते हैं मेरी शिकार की फिराक में, मानों मैं कोई चिड़िया हूँ।

53

צָמְתוּ	בַבּוֹר	חַיָּי	וַיַּדּוּ־	אֶבֶן	בִּי׃
समाप्त-कर-दिया	गढ्ढे-में	मेरा-जीवन	और-फेंका-	पत्थर	मुझ-पर
H6789			H3034	H0068	

> जीते जी उन्होंने मुझको घड़े में फेंका और मुझ पर पत्थर लुढ़काए थे।

54

צָפוּ־	מַיִם	עַל־	רֹאשִׁי	אָמַרְתִּי	נִגְזָרְתִּי׃	ס
छा-गए-	पानी	पर-	मेरे-सिर	मैंने-कहा	मैं-कट-गया	—
H6687	H4325			H0559	H1504	

> मेरे सिर पर से पानी गुज़र गया था। मैंने मन में कहाँ, “मेरा नाश हुआ।”

55

קָרָאתִי	שִׁמְךָ	יְהוָה	מִבּוֹר	תַּחְתִּיּוֹת׃
मैंने-पुकारा	तेरा-नाम	यहोवा	गहरे-गढ्ढे-से	सबसे-गहराईयों-से
H7121	H8034	H3068		H8482

> हे यहोवा, मैंने तेरा नाम पुकारा। उस गर्त के तल से मैंने तेरा नाम पुकारा।

56

קוֹלִי	שָׁמָעְתָּ	אַל־	תַּעְלֵם	אָזְנְךָ	לְרַוְחָתִי	לְשַׁוְעָתִי׃
मेरी-आवाज़	तूने-सुना	न-	छिपा	अपना-कान	मेरी-राहत-के-लिए	मेरी-पुकार-के-लिए
	H8085	H0408	H5956	H0241	H7309	H7775

> तूने मेरी आवाज़ को सुना। तूने कान नहीं मूंद लिये। तूने बचाने से और मेरी रक्षा करने से नकारा नहीं।

57

קָרַבְתָּ	בְּיוֹם	אֶקְרָאֶךָּ	אָמַרְתָּ	אַל־	תִּירָא׃	ס
तू-निकट-आया	दिन-में	जब-मैं-पुकारा-तुझे	तूने-कहा	न-	डर	—
H7126	H3117	H7121	H0559	H0408	H3372	

> जब मैंने तेरी दुहाई दी, उसी दिन तू मेरे पास आ गया था। तूने मुझ से कहा था, “भयभीत मत हो।”

58

רַבְתָּ	אֲדֹנָי	רִיבֵי	נַפְשִׁי	גָּאַלְתָּ	חַיָּי׃
तूने-लड़े	हे-प्रभु	मुकदमों-में	मेरी-जान-के	तूने-छुड़ाया	मेरा-जीवन
H7378	H0136	H7379	H5315		

> हे यहोवा, मेरे अभियोग में तूने मेरा पक्ष लिया। मेरे लिये तू मेरा प्राण वापस ले आया।

59

רָאִיתָה	יְהוָה	עַוָּתָתִי	שָׁפְטָה	מִשְׁפָּטִי׃
तूने-देखा-है	हे-यहोवा	मेरे-अन्याय-को	न्याय-कर	मेरा-मुकदमा
H7200	H3068	H5792	H8199	H4941

> हे यहोवा, तूने मेरी विपत्तियाँ देखी हैं, अब मेरे लिये तू मेरा न्याय कर।

60							
	רָאִיתָה	כָּל־	נִקְמָתָם	כָּל־	מַחְשְׁבֹתָם	לִי׃	ס
	तूने-देखा-है	सब-	उनका-प्रतिशोध	सब-	उनकी-योजनाएं	मेरे-विरुद्ध	—
	H7200	H3605	H5360	H3605	H4284		

तूने स्वयं देखा है कि शत्रुओं ने मेरे साथ कितना अन्याय किया। तूने स्वयं देखा है उन सारे षड़यंत्रों को जो उन्होंने मुझ से बदला लेने को मेरे विरोध में रचे थे।

61						
	שָׁמַעְתָּ	חֶרְפָּתָם	יְהוָה	כָּל־	מַחְשְׁבֹתָם	עָלָי׃
	तूने-सुना-है	उनकी-निन्दा	हे-यहोवा	सब-	उनकी-योजनाएं	मेरे-विरुद्ध
	H8085	H2781	H3068	H3605	H4284	

हे यहोवा, तूने सुना है कि वे मेरा अपमान कैसे करते हैं। तूने सुना है उन षड़यंत्रों को जो उन्होंने मेरे विरोध में रचाये।

62						
	שִׂפְתֵי	קָמַי	וְהֶגְיוֹנָם	עָלַי	כָּל־	הַיּוֹם׃
	होंठ	मेरे-विरोधियों-के	और-उनका-बड़बड़ाना	मेरे-विरुद्ध	सारा-	दिन
	H8193		H1902		H3605	H3117

मेरे शत्रुओं के वचन और विचार सदा ही मेरे विरुद्ध रहे।

63						
	שִׁבְתָּם	וְקִימָתָם	הַבִּיטָה	אֲנִי	מַנְגִּינָתָם׃	ס
	उनका-बैठना	और-उनका-उठना	देख	मैं	उनका-गीत-हूं	—
	H3427	H7012	H5027	H0589	H4485	

देखो यहोवा, चाहे वे बैठे हों, चाहे वे खड़े हों, कैसे वे मेरी हंसी उड़ाते हैं!

64						
	תָּשִׁיב	לָהֶם	גְּמוּל	יְהוָה	כְּמַעֲשֵׂה	יְדֵיהֶם׃
	तू-लौटा	उनको	बदला	हे-यहोवा	कामों-के-अनुसार	उनके-हाथों-के
	H7725		H1576	H3068	H4639	H3027

हे यहोवा, उनके साथ वैसा ही कर जैसा उनके साथ करना चाहिये! उनके कर्मो का फल तू उनको दे दे!

65						
	תִּתֵּן	לָהֶם	מְגִנַּת־	לֵב	תַּאֲלָתְךָ	לָהֶם׃
	तू-दे	उनको	परदा-	हृदय-पर	तेरा-शाप	उनको
	H5414	H1992	H4044		H8381	H1992

उनका मन हठीला कर दे! फिर अपना अभिशाप उन पर डाल दे!

66							
	תִּרְדֹּף	בְּאַף	וְתַשְׁמִידֵם	מִתַּחַת	שְׁמֵי	יְהוָה׃	פ
	तू-पीछा-कर	क्रोध-में	और-उनको-नष्ट-कर	नीचे-से	आकाशों-के	यहोवा-के	—
	H7291	H0639	H8045	H8478	H8064	H3068	

क्रोध में भर कर तू उनका पीछा कर! उन्हें बर्बाद कर दे! हे यहोवा, आकाश के नीचे से तू उन्हें समाप्त कर दे!